पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2018-20 प्रकाशित: 01.05.2018 इस अंक का मल्य 2 रुपये

।। ओ३म् ।।

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की शिविर तैयारी बैठकः-

रविवार, 6 मई 2018

प्रातः 10 बजे,

स्थान:वरि... ,सैक्टर-5,

राजेन्द्र नगर, ... ,गाजियाबाद

सायं 4 बजे,द... ॉडल स्कूल,

विवेक ...हार,पूर्वी दिल्ली

सभी साथी समय पर पंहुचे

वर्ष-34 अंक-23 ज्येष्ठ-2075 दयानन्दाब्द 194 01 मई से 15 मई 2018 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.

प्रकाशित: 01.05.2018, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

आर्य समाज, बूड़िया, यमुना नगर व गुर्जर कन्या गुरुकुल देवधर का वार्षिकोत्सव सम्पन्न

शनिवार, 14 अप्रैल 2018, आर्य समाज, बूड़िया, यमुना नगर, हरियाणा का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि डा. अनिल आर्य ने पाखण्ड, अन्धविश्वास के प्रति आम जनता को जागरूक करने का आह्वान करते हुए केन्द्र सरकार से जनसंख्या नियन्त्रण कानून लागु करने की मांग की। चित्र में–डा. अनिल आर्य सम्बोधित करते हुए, साथ में स्वामी सच्चिदानन्द जी, मंत्री राकेश ग्रोवर व परिषद् के जिला अध्यक्ष सौरभ आर्य व आचार्य धर्मेन्द्र शास्त्री। दिल्ली से रामकुमारसिंह, प्रवीन आर्या,माधवसिंह आदि भी उपस्थित थे। द्वितीय चित्र–गुर्जर कन्या गुरूकुल देवधर यमुना नगर के श्री ओमप्रकाश गांधी, डा. जयसिंह आर्य का अभिनन्दन करते डा. अनिल आर्य, स्वामी सच्चिदानन्द जी, गोपाल शर्मा व प्रवीन आर्या।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का राष्ट्रीय शिक्षक शिविर सोल्लास सम्पन्न

रविवार, 15 अप्रैल 20.., ...र्य युवक परिषद् का राष्ट्रीय शिक्षक अभ्यास शिविर प्रधान श्री ब्रह्मप्रकाश मान की अध्यक्षता में गुरूकुल खेड़ाखुर्द,दिल्ली में सोल्लास सम्पन्न हुआ। शिविर में 32 शिक्षक उतीर्ण हु... ...त्र में गुरूकुल के मन्त्री श्री मनोज मान का अभिनन्दन करते राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य,आचार्य महेन्द्र भाई,रामकुमारसिंह आर्य,वेदप्रकाश आर्य व प्रवीन आर्या। व्यायामाचार्य सू...देव आर्य,योगेन्द्र आर्य,सौरभ गुप्ता व अरूण आर्य ने कुशलता पूर्वक सम्पन्न किया।

आर्य समाज, हापुड़ व पिलखुआ, उत्तर प्रदेश का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न

शुकवार, 27 अप्रैल 2018,आर्य समाज,हापुड़ का वार्षिकोत्सव दिनांक 26,27,28,29 अप्रैल 2018 को सोल्लास सम्पन्न हुआ। विशाल शोभायात्रा में केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के युवकों ने सौरभ गुप्ता,गौरव गुप्ता के निर्देशन में भव्य व्यायाम प्रदर्शन किए। चित्र में–पं.दिनेश पथिक (अमृतसर) का अभिनन्दन करते डा.अनिल आर्य,प्रधान श्री आनन्दप्रकाश आर्य,मंत्री श्री विजेन्द्र गर्ग,प्रवीन आर्य,राधारमण आर्य व कुंवरपाल आर्य। द्वितीय चित्र–आर्य समाज,पिलखुआ के मंच पर मुख्य अतिथि डा.अनिल आर्य,स्वामी अखिलानन्द जी व स्वामी सौम्यानन्द जी। मंत्री श्री दिनेश गुप्त व गौरव शास्त्री ने संचालन किया।

दानी महानुभावों से अपीलः-

यदि आप केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों से सन्तुष्ट हैं तो हमें सहयोग करें,कृपया अपना सहयोग परिषद् के खाता सं. 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली–110007, आई.एफ.एस. कोड-**SBIN0001280** पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868002130 पर एस.एम.एस कर दें जिससे रसीद भेजी जा सके। अग्रिम धन्यवाद सहित।

— डा. अनिल आर्य, मो.09810117464, 011–42133624

वैदिक कर्मफल व्यवस्था

–कृष्ण चन्द्र गर्ग

सुख दुख का कारण मनुष्य के कर्म (काम या कार्य) हैं, ग्रह नहीं। मनुष्य जैसा काम करता है वैसा ही फल पाता है। ऐसा काम जिससे किसी का भला हुआ हो उसके बादले में ईश्वर की व्यवस्था से सुख प्राप्त होता है और ऐसा काम जिससे किसी का बुरा हुआ हो उसके बदले में मनुष्य को दुख मिलता है। ईश्वर पूर्ण रूप से न्यायकारी है। वह किसी की सिफारिश नहीं मानता। वह रिश्वत नहीं लेता। उसका कोई एजेंट या पीर, पैगम्बर या अवतार नहीं है।

अच्छे और बुरे दोनों प्रकार के कामों का फल अलग अलग भोगना पड़ता है। वे एक दूसरे को काटकर बराबर नहीं करते। अच्छे और बुरे दोनों प्रकार के कामों का अलग अलग हिसाब रहता है। ऐसा नहीं है कि एक अच्छा काम कर दिया और एक उतना ही बुरा काम कर दिया ओर वे बराबर होकर कट गए और हमें कोई फल न मिले। दोनों का अलग अलग फल भोगना पड़ता है। अच्छे और बुरे कामों के फलस्वरूप सुख और दुख साथ साथ भी चल सकते हैं। कुछ अच्छे कामों का फल हम भोग रहे हैं, साथ ही कुछ बुरे कार्यों का फल भी भोग रहे हैं।

मनुष्य जन्म में किए कामों के अनुसार ही आगे का जन्म मिलता है। अगर बुरे काम की बजाए अच्छे काम ज्यादा हों तो अगला जन्म मनुष्य का ही मिलता है। अगर बुरे काम ज्यादा हों तो अगला जन्म कामों के अनुसार पशु, पक्षी, कीड़ा, मकौड़ा आदि कुछ भी हो सकता है। यह बात सही नहीं है कि चौरासी लाख योनियों में से होकर ही मनुष्य जन्म फिर से मिलता है। हमारे सामने ऐसे बहुत से उदाहरण हैं जहां बच्चों को अपने पूर्व के जन्म का ज्ञान है और वे पूर्व जन्म में भी मनुष्य योनि में ही थे।

भाग्य या प्रारब्ध क्या है। मनुष्य जो भी अच्छा या बुरा काम करता है उसके बदले में उसके अनुसार उसे जो फल मिलता है वही उसका भाग्य है। इस प्रकार अपना भाग्य मनुष्य खुद बनाता है, कोई और नहीं। कोई भी किसी दूसरे का भाग्य न बना सकता है और न ही बिगाड़ सकता है। किसान ने खेती करके जो फसल घर में लाकर रखली वह उसका भाग्य है, उसकी अपनी मेहनत का फल।

किसी भी अच्छे या बुरे काम का फल शासन–प्रशासन भी दे सकता है। अगर शासन–प्रशासन न दे तो ईश्वर तो देता ही है। कोई भी कर्म बिना फल के नहीं रहता।

जैसे माता पिता अपनी सन्तानों को बुरे कार्यों से हटाकर अच्छे कामों में लगाने की कोशिश करते हैं वैसे ही ईश्वर भी करता है। जब मनुष्य कोई बुरा काम करने लगता है तब उसे अन्दर से भय, शंका, लज्जा महसूस होती है और जब वह कोई अच्छा काम करने लगता है उसे आनन्द, उत्साह, अभय, निशंका महसूस होती है। ये दोनों प्रकार की भावनाएं ईश्वर की प्रेरणा होती हैं। मनुष्य कुकर्म क्यों करता है। अविद्या अर्थात मान लेना कि कुकर्म के फल से बचने का उपाय कर लेंगे तथा राग, द्वेष और लालच के कारण ही मनुष्य कुकर्म कर बैठता है।

अथर्ववेद (12–3–48) – कर्म का फल करने वाले को ही मिलता है। इसमें किसी और का सहारा नहीं होता, न मित्रों का साथ मिलता है। कर्म फल प्राप्ति में कमी या अधिकता नहीं होती। जिसने जैसा कर्म किया उसको वैसा ही और उतना ही फल मिलता है। महाभारत में युद्ध की समाप्ति पर गन्धारी श्री कृष्ण से कहती है – निश्चय ही पूर्व जन्म में मैंने पाप कर्म किए हैं जो मैं अपने पुत्रों, पौत्रों और भाईयों को मरा हुआ देख रही हूँ। महाभारत में ही शान्ति पर्व में कहा गया है – जैसे बछड़ा हजारों गउýओं के बीच में अपनी माँ के पास ही जाता है ऐसे ही कर्म फल कर्म के करने वाले के पास ही जाता है।

मनुस्मृति (4–240) – जीव अकेला ही जन्म और मरण को प्राप्त होता है। अकेला ही अच्छे कर्मों का फल सुख और बुरे कामों की फल दुख के रूप में भोगता है।

ब्रह्मवैवर्त्त पुराण (प्रकृति 37–16) – करोड़ों कल्प बीत जाने पर भी बिना कर्म फल को भोगे उनसे छुटकारा नहीं मिल सकता।

चाणक्य नीति – किए हुए अच्छे और बुरे कर्मों का फल अवश्य भोगना पड़ता है।

गीता (5–15) – हमारे सुखों और दुखों के लिए परमात्मा उत्तरदायी नहीं है, बल्कि हमारे अच्छे और बुरे कर्म उत्तरदायी हैं। अज्ञानता के कारण हम अपने सुख दुख के लिए परमात्मा को उत्तरदायी ठहराते हैं, जबकि वह न हमारे पापों के लिए जिम्मेदार है और न ही पुण्यों के लिए जिम्मेदार है।

वाल्मीकि रामायण (युद्ध काण्ड 63–22) – रावण के मारे जाने के बाद जब हनुमान लंका में सीता को राम की विजय का समाचार सुनाने गए तब सीता ने हनुमान से कहा – मैंने यह सब दुख पूर्व जन्म में किए हुए कामों के कारण ही पाया है क्योंकि अपना किया हुआ ही भोगा जाता है।

वाल्मीकि रामायण (अरण्य काण्ड 35–17,18,19,20) – सीताहरण के पश्चात श्री राम सीता के वियोग में विलाप करते हुए कहते हैं – हे लक्ष्मण! मैं समझता हूँ इस सारी भूमि पर मेरे समान बुरे काम करने वाला पापी पुरुष और कोई नहीं है क्योंकि एक के पश्चात एक दुखों की परस्परा मेरे हृदय और मन को चीर रही है। पूर्व जन्म में निश्चय ही मैंने एक के पश्चात एक बहुत से पाप किए हैं। उन्हीं पापों का फल आज मुझे मिल रहा है। राज्य हाथ से छिन गया, अपने लोगों से वियोग हो गया, पिता जी परलोक सिधार गए, माता जी से बिछोड़ा हो गया। इन घटनाओं को याद करके मेरा हृदय शोक से भर जाता है। है लक्ष्मण, ये सारे दुख इस रमणीक वन में आने पर शान्त हो गए थे। परन्तु आज सीता के वियोग से वे सभी भूले हुए दुख उसी प्रकार फिर से ताजा हो गए हैं जैसे लकड़ी डालने से आग जल उठती है।

पश्चाताप (मनुस्मृति 11–230) – पाप कर्म होने पर उस पर पश्चाताप करके मनुष्य उस पाप भावना से छूट जाता है। फिर वह पाप कर्म नहीं करता। यही पश्चाताप का फल है। जो कर चुका उसका फल तो भोगना ही पड़ेगा। किए कर्म के फल से बचने का शास्त्रों में कहीं कोई उपाय नहीं बताया। पाप का फल अवश्य मिलेगा यह सोचकर मनुष्य को पाप कर्म नहीं करना चाहिए।

कुकर्म से बचने के उपाय – अपने आप को ईश्वर के साथ जोड़ने से मनुष्य पाप कर्म से बच सकता है। यह जानकर कि ईश्वर हर समय मेरे साथ है, मेरे सभी कामों को देखता है तथा उसके अनुसार मुझे फल भी देता है मनुष्य दुष्कर्म से बच सकता है।

महाभारत – धर्म का सर्वस्व जानना चाहते हो तो सुनो। दूसरों का जो व्यवहार आपको अपने प्रतिकूल (विरुद्ध) लगता है अर्थात दूसरों का जो व्यवहार आपको पसन्द नहीं वैसा व्यवहार आप दूसरों के साथ मत करो।

जैसे अग्नि अपने पास आई लकड़ी को जला देती है ऐसे ही वेद का ज्ञान मनुष्य में पाप की भावना को जला देता है अर्थात वेद के स्वाध्याय से मनुष्य में पापकर्म करने की भावना समाप्त हो जाती है।

यजुर्वेद (40,3) – जो मनुष्य अपनी आत्मा का हनन करते हैं अर्थात मन में और जानते हैं, वाणी से और बोलते हैं और करते कुछ ओर हैं, वे ही मनुष्य असुर (दैत्य, राक्षस, पिशाच आदि) हैं। वे कभी भी आनन्द को प्राप्त नहीं करते। जो आत्मा, मन, वाणी और कर्म से कपट रहित एक सा आचरण करते हैं वे ही देवता हैं, वे इस लोक और परलोक में सुख भोगते हैं।

सत्यमेव जयते नानृतं, सत्येन पन्था विततो देवयानः। – सत्य की ही जीत होती है, झूठ की नहीं। सत्य पर चलकर ही मनुष्य देवता बनता है। ऋषि लोग सत्य पर चलकर ही परमात्मा को पाकर आनन्द प्राप्त करते हैं।

ईश्वर की न्याय व्यवस्था में जो किसी का जितना भला करेगा उसको उतना ही सुख मिलेगा और जितना किसी का बुरा करेगा उतना ही उसे दुख मिलेगा। इस प्रकार सत्य और पक्षपात रहित न्याय का आचरण तथा परोपकार के कार्य ही सुख रूप फल देने वाले हैं।

–831 सैक्टर 10, पंचकूला, हरियाणा, दूरभाष : 0172–4010679

आर्य समाज हापुड़ में केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के युवक व्यायाम प्रदर्शन करते हुए

आओ, तपोवन देहरादून का वार्षिक यज्ञ

वैदिक भक्ति आश्रम, तपोवन, देहरादून का वार्षिक यज्ञ दिनांक 9 मई से 13 मई 2018 तक चलेगा। दिल्ली से जाने वाले आर्य बन्धुओं के लिये शुक्रवार, 11 मई 2018 को रात्री 10 बजे दो ए.सी. बसों की व्यवस्था रहेगी जिसका किराया प्रति सीट 600/– रू रहेगा। बसें 12 मई प्रातः 6 बजे हरिद्वार पंहुचेगी, भ्रमण–स्नान आदि से निवृत होकर दोपहर बाद तपोवन आयेंगी और रविवार, 13 मई 2018 को पूर्णाहूति व स्वामी दीक्षानन्द स्मृति दिवस सम्पन्न करके दोपहर 2 बजे वापिस दिल्ली के लिये प्रस्थान करेंगी व रात्री दिल्ली पंहुचेगी। यदि एक बस की सवारी सीधा तपोवन ही जाना चाहेगी तो वैसी व्यवस्था कर दी जायेगी। सम्पर्क सूत्रः 9971467978, 9911404423, 9818530543

श्री नरेश विग प्रधान निर्वाचित

आर्य समाज, रमेश नगर, दिल्ली के चुनाव में श्री नरेश विग–प्रधान, सत्यपाल नारंग–वरि. उपप्रधान, श्री नरेन्द्र आर्य सुमन–मंत्री व श्री सुरेन्द्र आर्य–कोषाध्यक्ष व सुरेश विग–प्रचार मंत्री निर्वाचित हुए।

श्री हरवंशलाल शर्मा प्रधान निर्वाचित

आर्य समाज, मयूर विहार, फेज–2, दिल्ली के चुनाव में श्री हरवंशलाल शर्मा–प्रधान, श्री ओमप्रकाश पाण्डेय–मंत्री व श्री लक्ष्मीचन्द गुप्ता–कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए।

श्री सत्यवीर चौधरी पुनः प्रधान निर्वाचित

आर्य केन्द्रीय सभा गाजियाबाद के चुनाव में चौ.सत्यवीर आर्य–प्रधान,श्री नरेन्द्र कुमार पंचाल–मंत्री व श्री सन्तलाल मिश्रा–कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए । युवा उद्घोष की हार्दिक बधाई ।

शोक समाचार : विनम्र श्रद्धांजलि

1. प्रो. श्योताज सिंह, आयु–76 वर्ष, (कोषाध्यक्ष, सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद्)
2. आचार्य सुभाष जी (महाराष्ट्र) का निधन।
3. श्री विनोद कुमार अरोड़ा (बहनोई लव कुमार पसरीचा) का निधन।
4. श्रीमती विमला कपूर (धर्मपत्नि श्री रामचन्द कपूर, कालकाजी) का निधन।
5. श्री सन्नी गुप्ता (पुत्र डा. वेदप्रकाश गुप्ता, देहरादून) का निधन।
6. श्री नानकचंद (आर्य समाज, सोहनगंज, दिल्ली) का निधन।

जहां नहीं होता कभी विश्राम ॥ ओ३म् ॥ आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

हर राहे गुजर पर शमां जलाना है मेरा काम, हवा का रूख क्या है मैं देखता नहीं...

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का आह्वान

मातृ पितृ भक्त, ईश्वर भक्त, देशभक्त, चरित्रवान युवा पीढ़ी का करेंगे निर्माण

बलमुपास्व

1. राष्ट्रीय युवक चरित्र निर्माण शिविर

शनिवार 9 जून से रविवार 17 जून 2018 तक

स्थान : दयानन्द मॉडल स्कूल, विवेक विहार, दिल्ली-95

सम्पर्क : श्री सौरभ गुप्ता- 9971467978, श्री अरुण आर्य - 9818530543

2. दिल्ली आर्य कन्या चरित्र निर्माण शिविर

रविवार 20 मई से रविवार 27 मई 2018 तक

स्थान: गीता भारती पब्लिक स्कूल, अशोक विहार-2, दिल्ली

उर्मिला आर्या-9711161843, अर्चना पुष्करणा-9899555280 विजय हंस-9211239397

3. आगरा आर्य कन्या शिविर

रविवार 10 जून से रविवार 17 जून 2018 तक

स्थान: कृष्णा इण्टरनेशनल स्कूल, महुआ खेड़ा, जिला आगरा

श्री रमाकान्त सारस्वत-9719003853, श्री हरिशंकर अग्निहोत्री-9897060822

4. राजस्थान प्रान्तीय युवक निर्माण शिविर

रविवार 3 जून से रविवार 10 जून 2018 तक

भारती पब्लिक स्कूल, नारनौल रोड, बहरोड़, जिला अलवर

सम्पर्क: आचार्य रामकृष्ण शास्त्री-09887669603 मा. सत्यपाल आर्य-9001982643

5. हरियाणा प्रान्तीय युवक निर्माण शिविर

रविवार 3 जून से रविवार 10 जून 2018 तक

स्थान: श्रद्धा मन्दिर स्कूल, सैक्टर-87, फरीदाबाद

डॉ. गजराज सिंह-9213771515, जितेन्द्र सिंह-9210038065, वीरेन्द्र योगाचार्य-9350615369

6. पलवल युवक निर्माण शिविर

सोमवार 11 जून से रविवार 17 जून 2018 तक

स्थान: डी.जी. खान सी.सै.स्कूल, रेलवे रोड, पलवल, हरियाणा

सम्पर्क: स्वामी श्रद्धानन्द जी-9416267482, वी. के. आर्य-9416477166

7. कैथल युवक निर्माण शिविर

शुक्रवार 1 जून से मंगलवार 5 जून 2018 तक

स्थान: आर्य विद्यापीठ स्कूल, पवनावा, जिला कैथल

सम्पर्क: आचार्य राजेश्वर मुनि-9896960064

8. राष्ट्रीय शिक्षक अभ्यास शिविर

वीरवार 12 अप्रैल से रविवार 15 अप्रैल 2018 तक

स्थान: गुरुकुल ग्राम खेड़ाखुर्द, दिल्ली-110082

सम्पर्क: श्री मनोज मान-9868174111, सूर्यदेव आर्य-9416615536

9. मध्य प्रदेश प्रान्तीय युवक निर्माण शिविर

रविवार 27 मई से वीरवार 31 मई 2018 तक

स्थान: ब्राईट कैरियर हायर सेकेण्डरी स्कूल, सिहोर, मध्यप्रदेश

सम्पर्क: आ. भानुप्रताप वेदालंकार-09977967777, विजय राठौर-6260547277

10. उत्तराखण्ड योग-आयुर्वेद-प्राकृतिक चिकित्सा शिविर

शुक्रवार 1 जून से वीरवार 7 जून 2018 तक

स्थान : गुरुकुल कण्वाश्रम, कोटद्वार, पौढ़ी गढ़वाल

सम्पर्क : ब्र. विश्वपाल जयन्त-09837162511

11. जम्मू-कश्मीर युवक निर्माण शिविर

सोमवार 18 जून से रविवार 24 जून 2018 तक

स्थान : आर्य समाज, जानीपुर, जम्मू

सम्पर्क : श्री सुभाष बब्बर-09419301915, रमेश खजुरिया-9797384053

12. उड़ीसा युवक निर्माण शिविर

शनिवार 5 मई से शुक्रवार 11 मई 2018 तक

स्थान: वेद व्यास संस्कृत महाविद्यालय, राऊरकेला, उड़ीसा

सम्पर्क : आचार्य धनेश्वर बेहरा-09337117429

13. जयपुर युवक निर्माण शिविर

सोमवार 18 जून से रविवार 24 जून 2018 तक

संस्कार भवन, जी. एस. सैनी नर्सिंग कालेज, रामपुरा रोड, जयपुर

सम्पर्क : श्री यशपाल यश-09414360248, डॉ. प्रमोद पाल-9828014018

14. जयपुर आर्य कन्या शिविर

मंगलवार 1 मई से रविवार 6 मई 2018 तक

संस्कार भवन, जी.एस. सैनी नर्सिंग कालेज, रामपुरा रोड, जयपुर

सम्पर्क : श्री यशपाल यश-09414360248, डॉ. प्रमोद पाल-9828014018

15. उत्तराखण्ड युवक निर्माण शिविर

सोमवार 18 जून से 24 जून 2018 तक

स्थान: सैनिक हाई स्कूल, बागेश्वर, उत्तराखण्ड

संरक्षक: गोविन्दसिहं भण्डारी-09412930200, संयोजक: शंकर गोस्वामी-9411079503

16. इन्दौर युवक निर्माण शिविर

रविवार 20 मई से रविवार 27 मई 2018 तक

स्थान: प्रज्ञा गर्ल्स स्कूल, बिछोली मरदाना, इन्दौर, मध्यप्रदेश

संयोजक: भानुप्रताप वेदालंकार-9977987777, अविनाश शास्त्री-7222955300

17. करनाल युवक निर्माण शिविर

मंगलवार 19 जून से रविवार 24 जून 2018 तक

स्थान: आर्य समाज प्रेम नगर, करनाल, हरियाणा

स्वतन्त्र कुकरेजा-9813041360, अजय आर्य-9416128075, रोशन आर्य-9812020862

18. झारखण्ड आर्य कन्या शिविर

रविवार 13 मई से रविवार 20 मई 2018 तक

स्थान: आर्ष कन्या गुरुकुल, आर्य समाज हजारीबाग, झारखण्ड

संयोजक: आचार्य कृष्णदेव कौटिल्य-9430309525, आचार्य पूष्पा शास्त्री

19. जीन्द युवक निर्माण शिविर

रविवार 20 मई से रविवार 27 मई 2018 तक

स्थान: स्वामी दयानन्द हाई स्कूल,भटनागर कालोनी, रोहतक रोड, जीन्द

सुर्यदेव आर्य-9416715537, श्रीकृष्ण दहिया-9812781154, योगेन्द्र शास्त्री-9416138045

20. यमुना नगर युवक निर्माण शिविर

सोमवार 28 मई से शनिवार 2 जून 2018 तक

स्थान: वैदिक वाटिका, ग्राम संभोली, जिला यमुनानगर, हरियाणा

संयोजक: आचार्य गोपाल शर्मा-9996561444

शिविरों के 'उद्घाटन व समापन' पर दल बल सहित पहुँचे व तन-मन-धन से सहयोग प्रदान करें

निवेदक

डा. अनिल आर्य	महेन्द्र भाई	रामकुमार सिंह	गवेन्द्र शास्त्री	धर्मपाल आर्य
राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय महामंत्री	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	राष्ट्रीय बौद्धिकाध्यक्ष	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
9810117464	9013137070	9868064422	9810884124	9871581398

केन्द्रीय कार्यालय: आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007, फोन-7550568450, 9958889970

Email: aryayouth@gmail.com Website: www.aryayuvakparishad.com Join-http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

आर्य समाज, विवेक विहार व राजेन्द्र नगर, दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न

रविवार, 15 अप्रैल 2018,आर्य समाज,विवेक विहार,पूर्वी दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। मंच पर पूर्व विधायक जितेन्द्रसिंह शन्टी, डा.अनिल आर्य,अभिमन्यु चावला,प्रधान पीयुष शर्मा, महेन्द्र भाई व जवाहर भाटिया। डा. उषाकिरण कथूरिया ने सभी का आभार व्यक्त किया। द्वितीय चित्र–आर्य समाज, राजेन्द्र नगर, दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। डा.अनिल आर्य सम्बोधित करते हुए। आचार्य गवेन्द्र शास्त्री ने अध्यक्षता की व प्रधान अशोक सहगल ने आभार व्यक्त किया। मंत्री नरेन्द्र वलेचा व सुरेश चुघ ने कुशल संचालन किया।

आर्य समाज, सैक्टर–7, रोहिणी, दिल्ली व सुन्दर विहार,दिल्ली का उत्सव सम्पन्न

रविवार, 22 अप्रैल 2018, आर्य समाज, सैक्टर–7, रोहिणी,दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। चित्र में–दानवीर श्री सतीश सिंघल का अभिनन्दन करते प्रो. महावीर मीमांसक, डा. अनिल आर्य,राजेश्वर सपरा। कुशल संचालन मंत्री संजीव गर्ग ने किया। अध्यक्षता सुरेन्द्र गुप्ता ने की व प्रधान नरेशपाल आर्य ने आभार व्यक्त किया। तपस्वी सुखदेव जी ने आशीर्वाद प्रदान किया। द्वितीय चित्र–आर्य समाज, सुन्दर विहार, दिल्ली का वार्षिकोत्सव सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। चित्र में–संरक्षक 90 वर्षीय जगदीश वर्मा का सपत्निक अभिनन्दन करते डा.अनिल आर्य,मंत्री अमरनाथ बत्रा,प्रधान श्री कंवरभान खेत्रपाल जी। श्री बी.एन.चौधरी जी का भी स्वागत किया गया। कुशल संचालन मंत्री श्री अमरनाथ बत्रा ने किया।

आर्य समाज, वजीरपुर, दिल्ली का उत्सव व मयूर विहार में आर्य समाज मार्ग का उद्घाटन

रविवार, 22 अप्रैल 2018, आर्य समाज, वजीरपुर जे.जे.कालोनी,दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। चित्र में मुख्यद्वार के दानवीर चित्रा विद्यार्थी व प्रेमकुमार विद्यार्थी का अभिनन्दन करते प्रधान आचार्य प्रेमपाल शास्त्री,डा.अनिल आर्य,प्रवीन आर्या,सन्तोष शास्त्री,मंत्री भूदेव आर्य,वीरेश आर्य, राधेश्याम आर्य व पं.घनश्याम प्रेमी। द्वितीय चित्र–आर्य समाज, मयूर विहार, फेज–2, दिल्ली के मेन रोड़ का नामकरण भाजपा प्रभारी श्याम जाजू व महापौर नीमा भगत ने किया। मंत्री श्री ओमप्रकाश पाण्डेय ने सभी का आभार व्यक्त किया।

आर्य समाज, मस्जिद मोठ व आर्य समाज, अशोक विहार,फेज–1,दिल्ली में बैठक सम्पन्न

रविवार, 22 अप्रैल 2018, दक्षिण दिल्ली वेद प्रचार मण्डल की आवश्यक बैठक आर्य समाज,मस्जिद मोठ,नई दिल्ली में सम्पन्न हुई। चित्र में–मण्डल के प्रधान ओमप्रकाश यजुर्वेदी को शिविर का निमन्त्रण देते डा.अनिल आर्य, महामंत्री चतरसिंह नागर,राजेश मेहन्दीरता,सुरेन्द्र शास्त्री, वी. के. रल्ली, विजय मलिक, ओमवीरसिंह आर्य, सत्यपाल आर्य, रामपाल शास्त्री, धर्मवीर पंवार, विद्याभूषण गुप्ता, रविन्द्र आर्य आदि। द्वितीय चित्र–केन्द्रीय आर्य युवती परिषद् दिल्ली प्रदेश की बैठक आर्य समाज, अशोक विहार, फेज–1, दिल्ली में शिक्षाविद श्रीमती राजरानी अग्रवाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। डा. अनिल आर्य, प्रधान प्रेमकुमार सचदेवा, जीवनलाल आर्य, ओम सपरा, महेन्द्र भाई, विजय हंस, सौरभ गुप्ता, कविता आर्या, मीना आर्या, पुष्पा सक्सेना, प्रवीन आर्या, सन्तोष शास्त्री, विजयभूषण आर्य, सुषमा आर्या आदि ने अपने विचार रखे। प्रदेश अध्यक्ष उर्मिला आर्या ने कुशल संचालन किया।

आर्य समाज, पश्चिम विहार व सैनिक विहार, दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न

रविवार, 29 अप्रैल 2018, आर्य समाज, पश्चिम विहार, दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। श्री देव आर्य के मधुर भजन हुए। चित्र में–स्वामी धर्मेश्वरानन्द जी के साथ डा. अनिल आर्य, प्रधान राजेन्द्र लाम्बा, राजेश कालरा, समारोह अध्यक्ष सुधीर ठुकराल व मंत्री राजेश निझावन। द्वितीय चित्र–आर्य समाज, सैनिक विहार, दिल्ली के वार्षिकोत्सव पर पार्षद वन्दना जेतली का स्वागत करते डा. अनिल आर्य, प्रधान विनोद गुप्ता, मंत्री विनय खुराना, कर्नल कपूर, सोनल सहगल, राजेन्द्र गाबा व यज्ञदत आर्य। आचार्य नरेन्द्र मैत्रिय के प्रवचन हुए।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970